सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

चलिए हम सब सुनते हैं, और दूसरों के द्वारा बताये गए सिद्धांतों को सुनने के लिए तैयार रहते हैं।
-सम्राट अशोक

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 28 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 29 फरवरी, 2024

जुरेल-गिल और यशस्वी की रैंकिंग... 7 | हो गए रास चुनाव, अब फिर होंगे... 3 | बढ़ रहा पीडीए परिवार, डर रही... 2

एक्शन में आई ममता सरकार शाहजहां गिरफ्तार

टीएमसी व भाजपा में वार-पलटवार

बीजेपी बोली- सीएम कर रहीं थीं बचाने का प्रयास

» तृणमूल ने कहा- राजनीति कर रहा विपक्ष

» उच्च न्यायालय ने कहा था कोई कर सकता है गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सख्त कार्रवाई करते हुए संदेशखालि में महिलाओं के यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के आरोपी तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख को बृहस्पतिवार सुबह गिरफ्तार करवा दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस गिरफ्तारी के बाद सियासत भी गरमा गई है। बीजेपी जहां इस गिरफ्तारी में अपनी पीठ थपथपा रही है वहीं टीएमसी कह रही राज्य में कानून तोड़ने का अधिकार किसी को नहीं मिलेगा।

ज्ञात हो कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर भीड़ के हमले के बाद से ही शाहजहां शेख फरार था और पुलिस को 50 दिन से भी अधिक वक्त से उसकी तलाश थी। पुलिस ने बताया कि शेख को उत्तर 24 परगना जिले के मिनाखा में एक घर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार करने के बाद उसे बशीरहाट अदालत ले जाया गया। पुलिस के एक अधिकारी नेबताया कि वह फिलहाल हवालात में है और उसे दिन में अदालत में पेश किया जाएगा। शेख की गिरफ्तारी की मांग को लेकर संदेशखालि के लोग लंबे समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। यह गिरफ्तारी कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा तृणमूल नेता के खिलाफ कार्रवाई में देरी के लिए राज्य पुलिस की खिंचाई करने और यह कहने के तीन दिन बाद हुई है कि उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कद्दावर नेता शेख शाहजहां को गिरफ्तार कर सकते हैं, जो 5 जनवरी से फरार हैं। काफी समय तक उस व्यक्ति को पकड़ा नहीं जा सका।

10 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया शाहजहां शेख

जनवरी के महीने में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर हमले के आरोपी शाहजहां शेख को पश्चिम बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार करके गुरुवार (29 फरवरी) को बशीरहाट कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने शाहजहां शेख को 10 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है. इस दौरान पुलिस ने कोर्ट से 14 दिन की रिमांड मांगी थी।

हमारी सरकार राजधर्म का पालन करती है : शांतनु

टीएमसी सांसद शांतनु सेन ने शाहजहां शेख की गिरफ्तारी पर कहा, कि यह गिरफ्तारी साबित करती है कि हमारी सरकार प्रशासनिक तरीके से राजधर्म का पालन करती है। हमने पार्थ चटर्जी और ज्योतिप्रिय मल्लिक के खिलाफ भी कार्रवाई की थी और इसी तरह हमने शेख के खिलाफ भी कार्रवाई की है। इस मामले में शिबू हाजरा और उत्तम सरदार को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है। अभिषेक बनर्जी ने कहा था कि कोर्ट के स्टे ऑर्डर के कारण पुलिस शाहजहां शेख को गिरफ्तार नहीं कर पा रही थी। स्टे ऑर्डर आदेश हटने के 3-4 दिन के अंदर ही शेख को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बीजेपी के आंदोलन से दबाव में आई सरकार : सुकांत

पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने शाहजहां शेख की गिरफ्तारी पर कहा, बीजेपी के लगातार आंदोलन के कारण यह सरकार शेख शाहजहां को गिरफ्तार करने के लिए मजबूर हुई। सरकार इनकार की मुद्रा में थी। वे कुछ भी स्वीकार नहीं कर रहे थे। मैंने पहले ही कहा था कि हम सरकार को शाहजहां शेख को गिरफ्तार करने के लिए मजबूर कर देंगे। आज भाजपा और संदेशखाली की महिलाओं के आंदोलन के कारण ममता बनर्जी सरकार शाहजहां शेख को गिरफ्तार करने के लिए मजबूर हुई हैं।

पांच सितारा सुविधाएं दी जाएंगी : सुवेंदु अधिकारी

पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार (29 फरवरी) को दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता शेख शाहजहां एक सौदे के तहत ममता पुलिस की सुरक्षित हिरासत में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि शाहजहां को जेल में रहते हुए पांच सितारा सुविधाएं दी जाएंगी। बीजेपी नेता ने कहा, संदेशखाली का बदमाश शेख शाहजहां कल रात 12 बजे से ही ममता पुलिस की सुरक्षित हिरासत में है।

हिमाचल : कांग्रेस के 6 बागी विधायकों पर गिरी गाज

» रास चुनाव में बीजेपी को वोट देने पर दिया गया अयोग्य करार

» दल-बदल कानून के तहत हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष ने कांग्रेस के छह बागी विधायकों को अयोग्य करार दे दिया है। विधानसभा अध्यक्ष के इस फैसले के बाद से इन विधायकों की सदस्यता भी रद्द कर दी गई है। इन छह कांग्रेसी विधायकों के खिलाफ यह फैसला पार्टी द्वारा जारी किए गए व्हिप को ना मानने की वजह से लिया गया है।

सूत्रों के अनुसार इन सभी विधायकों दल-बदल कानून के तहत अयोग्य घोषित किया गया है। जिन विधायकों को अयोग्य घोषित किया गया है उनमें सुधीर शर्मा, राजेंद्र राणा, देवेंद्र भुट्टो, इंद्र लखन पाल, रवि ठाकुर और चैतन्य शर्मा शामिल हैं।

व्हिप का उल्लंघन करने पर हुई कार्यवाही : विस अध्यक्ष

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने छह विधायकों को अयोग्य घोषित करने के अपने फैसले के बाद कहा कि कल सदन में वित्त विधेयक पर सरकार के पक्ष में मतदान करने के लिए पार्टी ने व्हिप जारी किया। लेकिन इन विधायकों ने पार्टी के व्हिप का उल्लंघन किया। इसी वजह से इन छह विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया गया है। खास बात ये है कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा 15 भाजपा विधायकों को निलंबित करने के बाद विधानसभा ने राज्य का बजट पारित कर दिया।

सीबीआई के समन पर दिल्ली नहीं जाएंगे सपा प्रमुख

पीडीए की बैठक में शामिल होंगे पूर्व सीएम : राजेंद्र चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि अवैध खनन मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गवाही के लिए भेजे गए समन पर पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव आज दिल्ली नहीं जाएंगे। पार्टी प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा, वह (अखिलेश यादव) कहीं नहीं जा रहे हैं। वह लखनऊ में एक बैठक में भाग लेंगे। यादव को सीबीआई द्वारा जारी नोटिस पर उन्होंने कहा, मुझे इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं है, लेकिन यह तय है कि वह आज दिल्ली नहीं जा रहे हैं।

सपा सूत्रों के मुताबिक यादव का यहां पार्टी कार्यालय में पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) की बैठक में शामिल होने का कार्यक्रम है और अब तक उनकी कहीं भी जाने की कोई योजना नहीं है। समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग के प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्यप ने कहा, अखिलेश जी आज पार्टी कार्यालय में पीडीए की बैठक में शामिल होंगे। सीबीआई ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को 'ई-टेंडरिंग' प्रक्रिया के कथित उल्लंघन के जरिए खनन पट्टी जारी करने से जुड़े एक मामले में आज तलब किया है। यादव पर आरोप है कि जब वह सीएम थे तो उनके कार्यकाल में अधिकारियों ने 2012-16 के दौरान अवैध खनन की अनुमति दी थी और खनन पर ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा प्रतिबंध के बावजूद अवैध रूप से लाइसेंस नवीनीकृत किए गए। सीआरपीसी की धारा 160 के तहत जारी नोटिस में सीबीआई ने यादव को 29 फरवरी को उसके सामने पेश होने को कहा है।

चुनाव करीब आ रहा है तो मुझे फिर से नोटिस मिल रहा : अखिलेश

अखिलेश यादव ने इस मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा था और सीबीआई के कदम को आगामी लोकसभा चुनावों से जोड़ा था। यादव ने एक कार्यक्रम में कहा, सपा सबसे ज्यादा निशाने (भाजपा के) पर है। 2019 में मुझे किसी मामले में नोटिस मिला था क्योंकि उस समय लोकसभा चुनाव थे। अब जब चुनाव करीब आ रहा है तो मुझे फिर से नोटिस मिल रहा है।

बढ़ रहा पीडीए परिवार, डर रही भाजपा : अखिलेश

लोग सपा में आ रहे हैं 24 में दिखेगा बदलाव

» भाजपा राज में किसान, नौजवान और मुसलमान सब परेशान हैं : शिवपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) परिवार बढ़ता जा रहा है। लोग सपा में आ रहे हैं। 2024 के चुनाव में एक तरफ वो लोग है जो संविधान को खत्म कर रहे हैं और दूसरी तरफ वो हैं जो संविधान बचाने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले कभी समुद्र मंथन हुआ था अब संविधान मंथन होगा।

वहीं राज्यसभा चुनाव में भाजपा को वोट करने वालों विधायकों पर अखिलेश यादव ने कहा कि अंतरात्मा वालों का अंतरखात्मा हो गया है। वो लोग जनता का कैसे सामना करेंगे जो भाजपा को हराकर आए हैं। सपा विधायक मनोज पांडेय के बारे में उन्होंने कहा कि वो तो हमें भाजपा-आरएसएस के बारे में सूचनाएं देते थे। मुझे दुख है कि अब मुझे वो सूचनाएं कौन देगा। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रत्याशी को वोट करने वाले विधायकों पर नियम के अनुसार कार्रवाई होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि उनको क्या पैकेज मिलेगा। इसका मुझे इंतजार है। उन्होंने कहा कि भाजपा को एक ग्रुप सिद्धांतहीन भाजपा का बना लेना चाहिए जिसमें दूसरे दलों से तोड़कर लाए गए लोगों को रखा जाए। उन्होंने कहा कि पीडीए का परिवार बढ़ते जाने से भाजपा का डर बढ़ता जा रहा है। वहीं सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा राज में किसान, नौजवान और मुसलमान सब परेशान हैं। ये लोग भगवान राम का नाम लेकर बेईमानी करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने इतनी सरकारें देखी हैं पर भाजपा से ज्यादा बेईमान कोई नहीं है।

देश के जो हालात हैं उसके लिए यह एक जरूरी निर्णय : जमाली

वहीं राज्यसभा चुनाव में झटका खाने के बाद सपा फिर से आजमगढ़ के किले को मजबूत करने में जुट गई है। बसपा नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली सपा में शामिल हो गए। शामिल होने के बाद जमाली ने कहा कि मैंने किसी लोभ-लालच में यह फैसला नहीं लिया है। मैंने सोच समझकर यह निर्णय लिया है। आज देश के जो हालात हैं उसके लिए यह एक जरूरी निर्णय है। उन्होंने कहा कि मेरे ऊपर हिंदू समाज के लोगों का अहसान है। मेरे 90 फीसदी दोस्त हिंदू हैं। मैं सोच भी नहीं सकता है कि हिंदू-मुसलमान को लड़ाया जा सकता है। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से कहा कि मैं जिंदगी भर सपा में ही रहूंगा और पीडीए को मजबूत करने का काम करूंगा।

अखिलेश को सीबीआई का नोटिस भेजना भाजपा की बौखलाहट : अजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यसभा चुनाव में जिस तरह से विपक्ष के विधायकों विशेषकर बसपा द्वारा क्रास वोटिंग कर भाजपा के प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चत की गई है इससे एक बात तो अब साफ हो चुकी है कि बहुजन समाज पार्टी भाजपा की बी टीम के तौर पर काम कर रही है। उप्र कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को एक प्रेसवार्ता में यह बातें कहीं। उन्होंने साफ़ कहा कि बसपा से इंडिया अलायंस का कोई लेना-देना नहीं और किसी भी हाल में बसपा को इंडिया अलायं से में शामिल नहीं किया जाएगा।

राय ने कहा कि उप्र विधानसभा में हमारे मात्र दो ही विधायक हैं लेकिन पूरी मज़बूती और भरोसे के साथ हमारे दो विधायकों ने समाजवादी पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में वोट किया। उन्होंने कहा कि हमारा एक ही संकल्प है कि हम इंडिया गठबंधन को मज़बूती प्रदान करें जो हमारे दो विधायकों ने कर दिखाया। बसपा पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राय ने कहा कि प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी के विधायक का राज्यसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करना यह स्पष्ट करता है कि बसपा भाजपा की बी टीम बनकर कार्य रही है। बसपा की समस्त गतिविधियां यह इशारा कर रही कि वह भाजपा के साथ मिलीभगत में काम कर रही हैं और बीते कल राज्यसभा चुनाव में यह सिद्ध भी हो गया।

हम जो कहते हैं, वो करते हैं : राजनाथ

» बोले- सत्ता का आनंद लेने के लिए नहीं मांग रहे तीसरा कार्यकाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बिहार के दौरे पर हैं। बिहार के दरभंगा और सीतामढ़ी में उन्होंने अलग-अलग सभाओं को संबोधित किया। दरभंगा में उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री को मौका दीजिए, तीसरा ही नहीं चौथा कार्यकाल भी देने का संकल्प लीजिए, हम गरीबी और बेरोजगारी का संकट खत्म कर देंगे। हमारा चरित्र है कि हम जो कहते हैं, वो करते हैं। उन्होंने कहा कि हम सत्ता का आनंद लेने के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए तीसरा कार्यकाल मांग रहे हैं। पीएम मोदी से पहले हमारे देश की अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें स्थान पर थी लेकिन हमारी सरकार की नीतियों के कारण देश अब 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

राजनाथ ने कहा कि अभी आपने देखा होगा कि जिन भारतीय पूर्व नौसैनिकों को कतर की अदालत में फाँसी को सजा सुनाई गई थी। उस समय प्रधानमंत्रीजी ने बात करके उनकी फाँसी की सजा माफ़ कराई। यह है हमारा भारत। उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न हम लोगों ने दिया। कांग्रेस के समय में उनकी उपेक्षा हुई। उनके समय में एक परिवार को ही यह सब मिलता था। हमारे प्रधानमंत्री जी ने पी वी नरसिम्हाराव जी को भी भारत रत्न दिया, जो कांग्रेस के नेता थे। हमने उनके योगदान का सम्मान किया है।

बढ़ रहा रक्षा निर्यात

रक्षा मंत्री ने कहा कि जब मैं डिफेंस मिनिस्टर बना था तो भारत से क़रीब एक हज़ार करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात होता था। उन्होंने कहा कि अब वह बीस हज़ार करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का रक्षा उत्पादन देश में हो रहा है। बिहार के एक दिवसीय दौरे पर आए पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने सीतामढ़ी जिले में पुनौरा धाम में पूजा की। इस मंदिर के बारे में माना जाता है कि राजा जनक को इसी स्थान पर देवी सीता मिली थीं। सिंह ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, "जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विश्वसनीयता बढ़ रही है, कोई क्षेत्र नहीं बचेगा जहां (भाजपा का चुनाव चिन्ह) 'कमल'नहीं खिलेगा।"

सेना में विभाजन पैदा कर रही सरकार : अधीर

» अग्निपथ योजना को लेकर अधीर रंजन का बीजेपी पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने अग्निपथ योजना को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। अधीर रंजन ने कहा कि पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की किताब फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी पर पाबंदी लगाई गई है। किताब बाजार में नहीं मिल रही है, अधीर रंजन ने दावा किया कि किताब में पूर्व आर्मी चीफ नरवणे ने लिखा है कि अग्निपथ और अग्निवीर योजना गलत है, कांग्रेस सांसद चौधरी ने कहा कि सरकार इस योजना के जरिए सेना में विभाजन पैदा कर रही है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि मान लीजिए अग्निपथ योजना में 100 लोग इम्तिहान में शामिल हुए, इनमें से 75 को फौज में जाने की इजाजत नहीं मिलेगी। इन्हें निकाला जाएगा। 100 में से सिर्फ 25 को नौकरी मिलेगी। ज्ञात हो कि भारत सरकार ने 2022 में तीनों सेनाओं में भर्ती के लिए अग्निवीर योजना लॉन्च की थी। इस योजना के तहत तीनों सेनाओं में युवाओं को चार साल के लिए भर्ती किया जाएगा। चार साल बाद 75 प्रतिशत जवानों को तय राशि के साथ सेवा से अलग कर दिया जाएगा। जबकि 25 प्रतिशत जवान अपनी सेवा जारी रख सकेंगे।

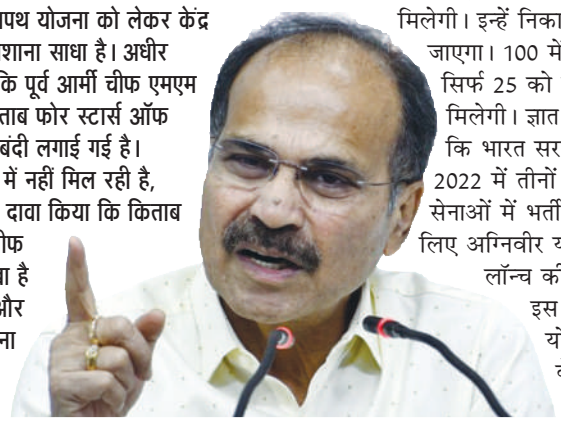

शहीद का दर्जा न मिलने पर उठाए सवाल

अधीर रंजन ने कहा, अग्निवीर की शाहदत के बाद उन्हें शहीद का दर्जा नहीं दिया जाता। देश के लिए जो अपना जीवन देते हैं, प्राण न्योछावर करते हैं, उन्हें शहीद का दर्जा नहीं दिया जा रहा। ये कौन सा तरीका है? उन्होंने कहा, हमारी फौज के अंदर एक तरह का विभाजन हो रहा है। फौज और चार साला नौकरी। दो किस्म की फौज, इस तरह फौज के अंदर दरार हम नहीं चाहत, हमारे लिए सब समान हैं, देश की रक्षा के लिए सब लोगों ने कसम खाई है, चाहें वो अग्निवीर हो या आर्मी हो, लेकिन हम यह बंटवारा कभी नहीं चाहते, इसलिए हम इसका विरोध करते हैं, कांग्रेस तो छोड़ो बड़े बड़े एक्सपर्ट और पूर्व आर्मी चीफ भी इसका विरोध कर रहे हैं।

भाजपा नेता की तरह काम कर रहे एलजी : आतिशी

» विस में उपराज्यपाल को सोलर पॉलिसी पर घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में मंत्री आतिशी ने सोलर पॉलिसी रोकने का खुलासा करते हुए राज्यपाल पर भाजपा नेता की तरह कार्य करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जो कार्य विस में नेता प्रतिपक्ष को करना चाहिए वह कार्य उपराज्यपाल भाजपा के लिए कर रहे हैं। पॉलिसी रोकने के विरोध में सदन में निंदा प्रस्ताव पास किया।

वहीं, दिल्ली विधानसभा में सिविल डिफेंस के मार्शल को नौकरी से निकालने के संबंध में चर्चा आरंभ हुई। इस दौरान आप विधायक मदनलाल ने कहा कि मार्शल बसों में सुरक्षा प्रदान करने में अहम भूमिका निभा रहे थे। मगर केंद्र सरकार के इशारे पर इनको नौकरी से निकाल दिया गया। उन्होंने मार्शल को दोबारा नौकरी पर रखने की मांग की। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष रामवीर बिधूडी में मार्शल के साथ अन्य अनियमित कर्मचारियों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारियों को नियमित किया जाए। सरकार ने उनको नियमित करने का वादा किया था। मगर अभी तक इस दिशा में कार्रवाई नहीं हुई है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

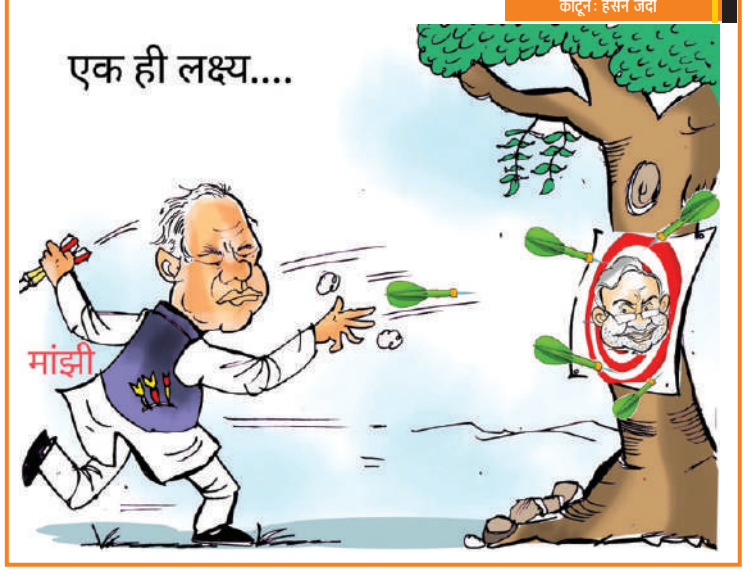

हो गए रास चुनाव, अब फिर होंगे बदलाव

यूपी, बिहार से लेकर दक्षिण तक राजनीतिक रार

- नेताओं के पार्टी बदलने का क्रम जारी
- बसपा के कई दिग्गज सपा व भाजपा में
- कांग्रेस गठबंधन को मजबूती देने के मूड में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्य सभा चुनाव के घटनाक्रम के बाद यूपी की सियासत पर भी असर हुआ है। नेताओं के आने-जाने का सिलसिला शुरू हो गया। सपा व भाजपा में आयाराम गयाराम हो ही रहा है अब बसपा में आने-जाने का खेल शुरू हो गया है। अगर उत्तर प्रदेश में देखा जाए तो बहुजन समाजवादी पार्टी की हालत बहुत अच्छी नहीं दिखाई दे रही है। 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल करने में कामयाब रही। वहीं, 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने समाजवादी पार्टी से गठबंधन किया था।

वहीं उसके कई बड़े नेता पार्टी छोड़ते जा रहे हैं। सांसद रितेश पांडेय के बाद आजमगढ़ के बड़े नेता गुड्डू जमाली ने बसपा का साथ छोड़ सपा का दमन थाम लिया है। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश की राजनीति बेहद दिलचस्प रही है। उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव के लिहाज से बेहद अहम ही रहता है। देश में सबसे ज्यादा सीटे उत्तर प्रदेश में ही है। उत्तर प्रदेश की राजनीति दिल्ली को भी प्रभावित करती है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश पर हर किसी की नजर होती है। देश जब लोकसभा चुनाव के मुहाने पर खड़ा है तो ऐसे में उत्तर प्रदेश की चर्चा दिलचस्प तरीके से हो रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन और कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की इंडिया गठबंधन के बीच मुख्य मुकाबला होना है। हालांकि, एक समय उत्तर प्रदेश में बहुत बड़ी ताकत रही बहुजन समाज पार्टी भी कुछ बड़ा खेल कर सकती हैं। लेकिन इसकी संभावनाएं भी लगातार घटती जा रही है।

दलित भाजपा और सपा के पक्ष में

उत्तर प्रदेश में बसपा की स्थिति लगातार कमजोर होती दिखाई दे रही है। जिस दलित वोट के दम पर मायावती ने उत्तर प्रदेश में जबरदस्त राजनीति की थी, आज वही दलित भाजपा और सपा के पक्ष में जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी वजह से मायावती को लगातार चुनाव में नुकसान हो रहा है। 2007 में जिस बसपा ने अकेले अपने दम पर विधानसभा का चुनाव जीता था, आज वही सिर्फ एक सीट पर सिमट चुकी है। इसका बड़ा कारण यह है कि मायावती के करीबी नेता लगातार पार्टी छोड़ते दिखाई दे रहे हैं। पार्टी का प्रदर्शन लगातार कमजोर हो रहा है। नेताओं को अपने भविष्य की चिंता है। 2014 के लोकसभा चुनाव में 19.57 फ़ीसदी वोट हासिल करने वाली बसपा 2022 के विधानसभा चुनाव में 12 फ़ीसदी वोट ही हासिल कर पाई।

मिल रहा झटके पर झटका

उत्तर प्रदेश में देखा जाए तो बहुजन समाजवादी पार्टी की हालत बहुत अच्छी नहीं दिखाई दे रही है। 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल करने में कामयाब रही। वहीं, 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने समाजवादी पार्टी से गठबंधन किया था। बसपा ने उस समय 10 लोकसभा की सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन वर्तमान में देखें तो उसके एक-एक सांसद पार्टी से दूरी बनाते दिखाई दे रहे हैं। हाल में ही बहुजन समाज पार्टी को बड़ा झटका देते हुए अंबेडकर नगर से सांसद रितेश पांडे भाजपा में शामिल हो गए। अमरोहा से सांसद कुंवर दानिश अली पहले ही पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते निकल जा चुके हैं। उनके कांग्रेस में जाने की संभावनाएं हैं। गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी को सपा ने 2024 के लिए अपना उम्मीदवार बना दिया है। जौनपुर से सांसद श्याम सिंह यादव को लेकर कांग्रेस में शामिल होने की चर्चा है। एक अन्य सांसद मलूक नागर जो मीडिया में खूब रहते हैं, उनकी नजदीकिया आरएलडी से बढ़ रही है। लालगंज लोकसभा सीट से सांसद संगीता आजाद को लेकर भी चर्चाओं का दौर जारी है कि वह भाजपा में शामिल हो सकती हैं।

माया ने गठबंधन से दूरी बनाई

मायावती लगातार गठबंधन से दूरी बनती हुई दिखाई दे रही है। वह ना तो भाजपा के साथ गठबंधन के पक्ष में दिखाई दे रही हैं और ना ही समाजवादी पार्टी के गठबंधन में वह शामिल होना चाहती हैं। लेकिन मायावती के साथ दिक्कत यह है कि वह जमीन से कटी हुई नजर आ रही हैं। जमीन पर पहले जैसी पकड़ नहीं होने के बावजूद भी मायावती अपनी शर्तों पर किसी के साथ गठबंधन करना चाहती है। उनके करीबी नेताओं की ओर से यह भी कहा जाता है कि मायावती को विपक्ष गठबंधन की ओर से प्रधानमंत्री घोषित कर दिया जाए फिर बसपा इंडिया गठबंधन में शामिल होगी। उनके साथ एक वर्ग का वोट अभी भी है, बावजूद इसके वह जमीन पर संघर्ष करती हुई दिखाई नहीं देती हैं। ऐसे में अगर मायावती अकेले लोकसभा चुनाव में उतरती हैं तो उन्हें इस बार भी कुछ खास फायदा होता दिखाई नहीं दे रहा है। यही कारण है कि बसपा के सारे सांसद नए ठिकाने की तलाश कर रहे हैं। उन्हें यह भी लगता है कि शायद ही उन्हें दोबारा टिकट दिया जाए।

भाजपा उठा सकती है मनोज का फायदा

अमेठी का किला फतह करने के बाद इस बार रायबरेली की बारी है। यह जुमला पिछले पांच साल से भाजपा नेताओं की जुबां पर है। रायबरेली की सीट जीतना भाजपा का 2014 से मिशन रहा, लेकिन पार्टी इसमें कामयाब नहीं हो पाई। वर्ष 2019 में अमेठी से राहुल गांधी की हार के बाद भाजपाइयों के हौसले बुलंद हैं। उन्हें लगता है कि 2024 में रायबरेली संसदीय क्षेत्र में भगवा लहराएगा। यही वजह रही कि मनोज पांडेय को साधने में भाजपा लगातार जुटी रही।

मनोज पांडेय के पाला बदलने से रायबरेली सीट पर पड़ेगा असर !

ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र से सपा विधायक डॉ. मनोज कुमार पांडेय के विधानमंडल के मुख्य सचेतक पद से त्यागपत्र देने के बाद जिले की राजनीतिक सरगर्मी एकबारगी बढ़ गई। मनोज के इस फैसले के बाद गांधी परिवार के गढ़ की न सिर्फ सियासत बदलेगी, बल्कि आने वाले समय में नए समीकरण भी बनेंगे। मनोज की छवि कद्दावर ब्राह्मण नेता की है। यही वजह है कि वह सपा में भी पूरे प्रभाव के साथ डटे रहे। ऐसे में वह जिस दल में शामिल होंगे, उसे आगामी लोकसभा चुनाव में भरपूर फायदा मिलेगा। लोकसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता लागू से होने से पहले ही रायबरेली में राजनीतिक रंग चढ़ने लगा है। वैसे तो प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान ही सियासी गलियों में इस बात की चर्चा

थी कि मनोज कुमार पांडेय कोई नया राजनीतिक फैसला लेने वाले हैं, लेकिन उस समय यह कयास उल्टा पड़ा। मनोज ने सपा से ही विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल करते हुए हैट्रिक भी लगाई। सपा ने मनोज का ओहदा ऊंचा करते हुए उन्हें विधानमंडल का मुख्य सचेतक नियुक्त किया था। लोकसभा चुनाव से पहले ही मनोज ने सपा को झटका देते हुए मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा देकर राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग भी की। इस्तीफे के बाद मनोज के भाजपा में जाने की अटकल लगाई जा रही है। मनोज चाहे जिस दल में जाएं, लेकिन इसका फर्क रायबरेली की सियासत में पड़ना तय है। वजह जिले में ब्राह्मण वोटरों की अच्छी संख्या। ऊंचाहार, सरेनी, सदर विधानसभा क्षेत्र में ब्राह्मण वोटर निर्याणक भूमिका में हैं। मनोज की ब्राह्मण ही नहीं, बल्कि अन्य समाज के वोटरों में भी पैठ मानी जाती है। यही वजह रही कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पूरी ताकत झोंकी थी, लेकिन वह चुनाव जीतने में कामयाब रहे।

कांग्रेस-भाजपा नहीं तय कर पा रहे दावेदार

सांसद सोनिया गांधी के राजस्थान से राज्यसभा जाने के बाद रायबरेली सीट से गांधी परिवार के चुनाव लड़ने पर संशय बरकरार है। भले ही कांग्रेस हाईकमान हो या फिर जिले के पदाधिकारी, खुलकर कोई बात नहीं कर पा रहा। आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार पर सभी मौन साधे हैं। कुछ यही हालत भाजपा की भी है। वैसे तो कई नेता चुनाव लड़ने का दावा कर रहे हैं, लेकिन भाजपा को ऐसा उम्मीदवार चाहिए जो अमेठी की तरह रायबरेली में भी परचम लहरा सके। वर्ष 2019 में भाजपा ने मौजूदा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह को मैदान में उतारा था, लेकिन वह जीत हासिल नहीं कर पाए। इस बार किसी कद्दावर नेता की भाजपा को तलाश है। मनोज के रूप में पार्टी की यह तलाश भी पूरी हो सकती है।

सात लोकसभा सीटों पर असर डालेंगे राज्यसभा चुनाव के नतीजे

समाजवादी पार्टी के सात विधायकों के झटके का असर लोकसभा चुनावों पर भी रहेगा। राज्यसभा चुनाव के नतीजों से प्रदेश की सात लोकसभा सीटों के चुनावी समीकरण प्रभावित हो सकते हैं।सपा विधायक मनोज पांडेय रायबरेली के कद्दावर नेता हैं। भाजपा के लिए रायबरेली सीट जीतना चुनौती है। माना जा रहा है कि मनोज पांडेय के समर्थन से पार्टी की स्थिति मजबूत होगी। अमेठी में राकेश प्रताप सिंह सपा के बड़े चेहरे हैं। राकेश के भाजपा को समर्थन करने से अमेठी में पार्टी को फायदा होगा। उधर, भाजपा ने इस बार अंबेडकरनगर सीट पर परचम फहराने की रणनीति बनाई है। बसपा सांसद रितेश पांडेय भाजपा में शामिल हो गए हैं, उनके पिता राकेश पांडेय का भाजपा को समर्थन मिलने से अब अंबेडकरनगर में चुनावी राह आसान हो सकती है। वहीं अभय सिंह के भाजपा में आने से अयोध्या क्षेत्र में ठाकुर मतदाताओं का बिखराव रोकने में मदद मिलेगी। पूजा पाल का समर्थन मिलने से प्रयागराज में और विनोद चतुर्वेदी का समर्थन मिलने से जालौन में भाजपा को मदद मिलने की उम्मीद है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बदलती तकनीकी कहीं नुकसान न पहुंचा दे

दुनिया में रोज तकनीकी बदल रही है। ऐसी-एसी व्यवस्थाएं आ रही हैं जिससे आम जीवन आसान होता जा रहा है। पूरी दुनिया आज डिजिटली एक दूसरे से मिनटों में जुड़ जा रही है। विश्व के किसी भी कोने में बैठा मनुष्य किसी दूसरे कोने में बैठे व्यक्ति से अपनी हर बात शेयर कर सकता है। आज विज्ञान इतना उन्नत हो गया है कि आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से किसी भी व्यक्ति की प्रतिकृति बनाई जा सकती है। पर जहां इन चीजों का लाभ मिल रहा है वैसे ही ये नुकसान भी पहुचां रहे हैं। अभी हाल ही में एआई के खिलाफ कई मशहूर लोगों द्वारा शिकायत की गई है उनके वीडियो एआई तकनीकी ने बनाकर चलाया जिसमें वे नहीं थे। इसी तरह की डीपफेक वीडियो कई अभिनेत्रियों का भी बना दिया गया था जिसमें सिर उनका और शरीर का हिस्सा किसी और जोड़ा गया था। इससे पहले अन्य कई लोग ऐसी शिकायत कर चुके हैं। अब नीति निर्माताओं का इस पर ध्यान देना होगा।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) तकनीक बिग डेटा एनालिटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स की प्रमुख सूत्रधार है। साथ ही इसकी चुनौतियां यथा निजता एवं स्वायत्तता भी सिर उठाए खड़ी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एआइ के जरिए हेरा-फेरी करके विभिन्न राष्ट्रों की संप्रभुता के लिए संकट भी पैदा किया जा रही है। यह तकनीक मानव की नैसर्गिक सोच एवं स्वाभाविक विचारशीलता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। एआइ के लाभों में प्रमुखत: मानवजनित त्रुटियां एवं जोखिम में कमी, अत्यंत जोखिम भरे कार्य स्थलों पर मानव के स्थान पर रोबोट की सहायता से कार्य करना, अनवरत 24 घंटे सेवा उपलब्धता, बिना किसी पूर्वाग्रह के कार्यशील रहना व निर्णय करना, एक ही प्रकृति के कार्यों को निर्बाध संचालित करना, तुलनात्मक दृष्टि से मानव प्रदत्त सेवाओं से कम कीमत में उपलब्धता होना, बड़े डेटा का तीव्र गति से मूल्यांकन करना इत्यादि हैं। इन लाभों के मध्य कुछ दूसरे कारक एआइ को चुनौती के रूप में भी प्रस्तुत करते हैं। वहीं वैश्विक स्तर पर भी एआई के दुरुपयों पर चर्चा हो रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, रुस व भारत समेत लगभग सभी देश चाहते है कि एआई पर कुछ गंभीर कानून बने ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। देवास में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर स्वीटजरलैंड समेत कई देशों ने एआई से उत्तपन्न हो रहे समस्याओं को खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाने को कहा है।

“ २७-०५ आज विज्ञान इतना उन्नत हो गया है कि आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से किसी भी व्यक्ति की प्रतिकृति बनाई जा सकती है। पर जहां इन चीजों का लाभ मिल रहा है वैसे ही ये नुकसान भी पहुचां रहे हैं। अभी हाल ही में एआई के खिलाफ कई मशहूर लोगों द्वारा शिकायत क ी गई है उनके वीडियो एआई तकनीकी ने बनाकर चलाया जिसमें वे नहीं थे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हालात 'आपातकाल' के हैं तो नतीजे भी 1977 जैसे मिलना चाहिए!

श्रवण गर्ग

अरविंद केजरीवाल ने राहुल गांधी की पार्टी के साथ चार राज्यों और चंडीगढ़ की 46 सीटों को लेकर अंतत: समझौता कर ही लिया! चार राज्यों में गुजरात भी शामिल है जहां 2022 के विधानसभा चुनावों में केजरीवाल ने लगभग तेरह प्रतिशत वोट प्राप्त करके प्रधानमंत्री के 56 इंच के सीने को 156 सीटों में तब्दील करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 'आम आदमी पार्टी' के मेयर-पद के उम्मीदवार की धोखाधड़ी के जरिए चंडीगढ़ में कराई गई हार ने शायद केजरीवाल का हृदय-परिवर्तन कर दिया। अन्ना आंदोलन का स्मरण करें तो केजरीवाल अब उसी पार्टी (कांग्रेस) के साथ मिलकर मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे जिन्हें 2014 में सत्ता में लाने के लिए उन्होंने दिल्ली के रामलीला मैदान से मनमोहन सिंह सरकार की बर्खास्तगी की मुहिम चलाई थी। केजरीवाल को अहंकार हो गया था कि मोदी को सत्ता से हटाने की क्षमता भी सिर्फ उनमें ही है।

कांग्रेस से समझौते से पहले 'आप' नेता ने पिछले दिनों यहां तक दावा कर दिया था कि मोदी अगर 2024 में फिर सत्ता में आ जाते हैं तो 2029 में वे अकेले (केजरीवाल) ही उन्हें हटा देंगे। केजरीवाल के उक्त दावे का तब यही अर्थ लगाया गया था कि महत्वाकांक्षी 'आप' नेता भाजपा की बी-टीम की कप्तानी कर रहे हैं। शायद यही कारण था कि 2019 के लोकसभा चुनावों में दिल्ली की सातों सीटों पर कांग्रेस के बाद तीसरे क्रम पर रहने के बावजूद वे अकेले ही लड़ना चाहते थे। कांग्रेस से समझौते के पहले केजरीवाल को खबर लग चुकी थी कि राहुल की रैलियों में किस तरह की भीड़ उमड़ रही है और अखिलेश यादव भी 'मोहब्बत की दुकान' में अपनी कमाई झोंकने की तैयारी कर चुके हैं। कांग्रेस से समझौते के बाद 'आप' नेताओं ने दावा किया कि केजरीवाल को धमकियां मिल रहीं थीं कि विपक्षी गठबंधन में शामिल होने की कीमत जेल यात्रा से चुकाना पड़ेगी। भाजपा के चुनावी रणनीतिकारों ने इतने घातक विपक्षी गठबंधन के अस्तित्व में आ जाने की कल्पना निश्चित ही नहीं की होगी!

गठबंधनकी दक्षिण भारत की टीम (स्टालिन+डीके शिवकुमार+ रेवंथ रेड्डी + वाय एस शर्मिला) की चर्चा न करें

तो भी उत्तर भारत में अखिलेश+तेजस्वी+सौरेन+केजरीवाल के नेतृत्व में जो ताक़त खड़ी हो गई है वह वैकल्पिक राजनीति की स्थाई इबारत बनाने जा रही है। उत्तरऔर दक्षिण के इन सभी नेताओं को ठीक से अनुमान है कि उनके लिए इस बार नहीं तो फिर कभी नहीं वाली स्थिति है। कहा जा सकता है कि भाजपा को डर राहुल गांधी से नहीं बल्कि विपक्ष के इन नए चेहरों से लगाना चाहिये ! तमाम अवरोधों के बावजूद अगर राहुल गांधी मोहब्बत के शहर आगरा में अखिलेश की प्रतीक्षा कर रहे थे तो इसके पीछे के करण को यूँ समझा जा सकता है कि चुनाव का कुरुक्षेत्र यूपी ही बनने वाला है। भाजपा को सबसे ज्यादा चिंता भी इसी राज्य से है। राहुल-प्रियंका की रैलियों में उमड़ी भीड़ और व्यापक युवजन-असंतोष इसका कारण बन सकता है। राहुल-अखिलेश ने यूपी में अगर 2009 दोहरा दिया तो राजनीति में तूफान मच जाएगा। उस वक्त भाजपा को तब सिर्फ दस सीटें प्राप्त हुईं थीं। कांग्रेस ने 21 और सपा ने 23 पर जीत दर्ज कराई थी। यूपी में कांग्रेस का चुनावी नेतृत्व तब राहुल के ही पास था। याद करना जरूरी है कि 2014 के 'ऐतिहासिक' चुनावों के पहले अगस्त 2013 में यूपी के मुजफ्फरनगर में हुए हिंदू-मुस्लिम दंगों में 65 जानें गईं थीं और 93 लोग हताहत हुए थे। 2019 के चुनावों के ठीक पहले पुलवामा हादसा हो गया था। दोनों घटनाओं के कारण उत्पन्न हुए सांप्रदायिक ध्रुवीकरण ने चुनाव परिणामों की सूरत बदल कर रख दी थी। भगवान द्वारिकाधीश की राष्ट्र पर कृपा है कि वैसी कोई विपत्ति उत्पन्न नहीं हुई है। जनता का ध्यान मुँडेरों पर बैठे आलोचकों की इस आशंका की तरफ भी आकर्षित किया जाना जरूरी हो गया है कि भाजपा को साधारण बहुमत जितनी सीटें भी प्राप्त नहीं होने का जो विश्वसनीय माहौल आंकड़ों मदद से देश में बनना प्रारंभ हुआ है वह कहीं विपक्षी गठबंधन को जमीनी जरूरतों से दूर कर अतिरंजित आत्मविश्वास से नहीं भर दे?

आलोचकों का यह भी पूछना है कि चुनाव जीतने के लिए भाजपा द्वारा अपनाए जा रहे आक्रामक रुख का विपक्षी गठबंधन किस तरह मुकाबला कर पाएगा? किसी भी कीमत पर चुनाव जीतने को कटिबद्ध भाजपा द्वारा ईजाद किए जा रहे तरीके राहुल की 'मोहब्बत की दुकान' के ईमानदार कानून-कायदों से बिलकुल अलग हैं। उदाहरण के लिए गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही ग्वालियर में पार्टी-कार्यकर्ताओं को चुनाव जीतने का मंत्र दे डाला कि' कांग्रेस के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को चुनाव से पहले भाजपा में लाएँ।

भाईचारे और सौहार्द के संदेश की उम्मीद

विवेक शुक्ला

दिल्ली से हजारों मील दूर मुगल बादशाह शाहजहां के निमंत्रण पर उज्बेकिस्तान के बुखारा शहर से एक इस्लामिक धर्मगुरु सैयद अब्दुल गफूर शाह बुखारी आए और जामा मस्जिद के इमाम की बागडोर संभाली। उन्होंने 25 जुलाई, 1656 को यहां ईद की नमाज का नेतृत्व किया। बीते रविवार को उनके वंशज और नोएडा की एमेटी यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट रहे सैयद शाबान बुखारी की दस्तारबंदी के संपन्न होने के साथ ही वे जामा मस्जिद के शाही इमाम बन गए। इस तरह वे जामा मस्जिद के 14वें इमाम बन गए हैं। हालांकि, सैयद अहमद बुखारी भी शाही इमाम के पद पर बने रहेंगे। अब चूंकि माहे रमजान के पवित्र माह को कुछ ही समय शेष है, इसलिए माना जा सकता है कि सैयद शाबान बुखारी जामा मस्जिद में अपने पिता की गैर-मौजूदगी में नमाज की अगुवाई किया करेंगे।

उत्तराधिकार संबंधी किसी भी अप्रिय विवाद से बचने के लिए जामा मस्जिद के इमाम अपने जीवनकाल में ही अपने उत्तराधिकारी की घोषणा कर देते हैं। मौजूदा इमाम सैयद अहमद बुखारी को वर्ष 2000 में नायब इमाम घोषित किया गया था जब उनके पिता सैयद अब्दुल्ला बुखारी गंभीर रूप से अस्वस्थ थे। मुगलकाल में जामा मस्जिद के शाही इमाम के दो प्रमुख काम थे- मुगल सम्राटों का राज्याभिषेक करवाना और जामा मस्जिद में नमाज के सुचारु संचालन को देखना। जामा मस्जिद के पहले इमाम सैयद गफूर बुखारी ने बादशाह औरंगजेब का राज्याभिषेक किया था। मुगल बादशाह बहादुरशाह जफर का राज्याभिषेक 30 सितंबर, 1837 को जामा मस्जिद के आठवें इमाम मीर अहमद अली शाह बुखारी की सरपरस्ती में हुआ था। खैर, अब राजशाही तो खत्म हो गई है इसलिए जामा मस्जिद के इमाम का मुख्य काम तो नमाज अता करवाना ही रह गया है। इस बीच, एक सवाल जो कई लोग पूछ रहे हैं, क्या 29 साल के सैयद शाबान बुखारी अपने पिता और दादा के नक्शे कदम पर चलेंगे या विवादों से दूर रहेंगे? इमाम सैयद अहमद बुखारी और उनके पिता इमाम सैयद अब्दुल्ला बुखारी जाने-अनजाने विवादास्पद बयानबाजी करते रहे हैं। ये कुछ राजनीतिक दलों के पक्ष में भी खड़े होते रहे हैं।

जहां तक सैयद अहमद बुखारी का सवाल है, शायद उन्होंने पहली बार विवाद तब खड़ा किया था जब उन्होंने 21 अक्टूबर, 2001 को बरखा दत्त के शो 'वी द पीपल' के दौरान शबाना आजमी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। उन्होंने 2014 में सैयद शाबान बुखारी को नायब इमाम बनाए जाने के मौक पर हुए एक कार्यक्रम में पाकिस्तान के तब के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था। और उसी वर्ष, उन्होंने नवाज शरीफ को पत्र लिखकर जम्मू-कश्मीर के हुर्रियत नेताओं को युद्धविराम के लिए सहमत होने और बातचीत के माध्यम से कश्मीर मुद्दे को हल करने के लिए मनाने का आग्रह किया था। यह आश्चर्य की बात थी कि वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दोनों बार भूल गए थे। दिल्ली के प्रसिद्ध इतिहासकार आर.वी. स्मिथ कहते थे सैयद शाबान बुखारी के परदादा, 'इमाम अब्दुल हामिद बुखारी को तब तक एक गैर-विवादास्पद इमाम माना जाता था जब तक कि उनका नेताजी सुभाष चंद्र बोस की इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) के जनरल शाहनवाज खान के साथ बड़ा पंगा नहीं हो गया था।

जनरल शाहनवाज खान ने जामा मस्जिद में नए इमाम की नियुक्ति में परिवारवाद के रोल पर सवाल खड़े किए थे।' गौरतलब है कि जनरल शाहनवाज खान बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के करीबी रिश्तेदार थे। अपने जोशीले भाषण देने वाले इमाम अब्दुल हामिद बुखारी इमरजेंसी के बाद श्रीमती इंदिरा गांधी का खुलकर विरोध कर रहे थे। वे मुसलमानों से जुड़े सामाजिक और आर्थिक मुद्दों में गहरी दिलचस्पी लेते थे। कुछ लोग यह भी पूछ रहे हैं, जामा मस्जिद में वंशानुगत प्रथा क्यों चल रही है जो इमाम को अपने रिश्तेदारों को मस्जिद के अगले इमाम के रूप में नियुक्त करने की अनुमति देती है? 'यह बिल्कुल उचित प्रथा है कि जामा मस्जिद के इमाम अपने परिवार के सदस्य को अगले इमाम के रूप में नियुक्त करते हैं। इस प्रथा में कुछ भी गलत नहीं है। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है। जो लोग इस स्थापित प्रथा पर सवाल उठाते हैं, उनके मन में इस समृद्ध परंपरा के प्रति कोई सम्मान नहीं है,' अखिल भारतीय इमाम संगठन के अध्यक्ष मौलाना उमेर इलियासी कहते हैं।

जामा मस्जिद में ही कांग्रेस के कद्दावर नेता मौलाना अबुल कलाम आजाद ने 23 अक्टूबर, 1947 को मुसलमानों का आह्वान किया था कि वे पाकिस्तान जाने का इरादा छोड़ दें। वे भारत में ही रहें। उन्हें किसी बात की फिक्र करने की कोई वजह नहीं है। भारत उनका है। मौलाना आजाद की तकरीर के बाद दिल्ली के सैकड़ों मुसलमानों ने पाकिस्तान जाने के अपने इरादे को छोड़ दिया था। आर्य समाज के नेता और समाज सुधारक स्वामी श्रद्धानन्द ने जामा मस्जिद से ही हिन्दू-मुसलमानों में भाईचारे पर अपना प्रखर वक्तव्य 4 अप्रैल, 1922 को दिया था। हिन्दुस्तान के मुसलमान जामा मस्जिद को भावनात्मक रूप से भी जोड़कर देखते हैं। ये जब बनी तब मुगलकाल का स्वर्णकाल था। जामा मस्जिद के बाद देशभर में कई मस्जिदें इसके डिजाइन को ध्यान में रखकर बनीं। अलीगढ़ में एएमयू कैंपस में बनी मस्जिद देखने में दिल्ली की जामा मस्जिद से बिलकुल मिलती-जुलती है। बहरहाल, जामा मस्जिद को नए शाही इमाम के मिलने के साथ ही यह उम्मीद जरूर पैदा हो गई कि यहां से भाईचारे और सौहार्द का संदेश सारे देश में जाया करेगा।

चावल बिल्कुल भी अनहेल्दी डिश नहीं है अगर आप इसे सही क्वांटिटी में खाते हैं तो साथ ही चावल की मात्रा कम और न्यूट्रिशन की मात्रा बढ़ाकर। मतलब इसमें आप तरह-तरह की सब्जियों और बीजों को मिलाकर इसके पोषण को बढ़ा सकते हैं। चावल खाने के शौकीन लोगों के लिए कोकोनट राइस स्वादिष्ट होने के साथ ही सेहत से भी भरपूर है। इसे आप लंच से लेकर डिनर तक में खा सकते हैं। इसे खाने से डायबिटीज, मोटापा जैसी कई समस्याओं से भी छुटकारा पा सकते हैं। नारियल कई जरूरी विटामिन और मिनरल्स का खजाना होता है। इसमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, हेल्दी फैट, मैग्नीशियम, कॉपर, सेलेनियम, मैंगनीज, फॉस्फोरस, आयरन और पोटैशियम जैसे तत्व मौजूद होते हैं।

मोटापा से राहत दिलाएगा कोकोनट राइस

घर पर ही ऐसे तैयार करें गृहणी

सामग्री

सूखा नारियल का गोला (क्रश किया हुआ)- 2 कप, बासमती राइस- 1 कप, मूंगफली- 4 चम्मच, काजू- 8 से 10, चना दाल (भिगोए हुए)- 4 चम्मच, उड़द दाल (भिगोए हुए)- 4 चम्मच, सरसों के दाने- 1 चम्मच, जीरा- 1 चम्मच, करी पत्ता- 5 से 6, खड़ी लाल मिर्च- 1, हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)- 2, नमक (स्वादानुसार), घी- 2 से 3 चम्मच।

विधि

जिस भी चावल का इस्तेमाल कर रहे हैं, उसे धोकर साफ कर लें। फिर इसे 15 मिनट या आधे घंटे के लिए पानी में भिगोकर छोड़ दें। एक पैन में घी गरम करें। इसमें सबसे पहले मूंगफली और काजू डालकर हल्का भून लें और निकाल अलग रख लें। अब इसी पैन में एक चम्मच और घी डालें। इसमें सरसों, जीरा, कड़ी पत्ता, भिगोए हुए उड़द और चना दाल डालकर भूनें। फिर इसमें भूने काजू और मूंगफली मिक्स कर दें, साथ ही कसा हुआ नारियल भी। सारी चीज़ों को 2 मिनट और भूनें। फिर इसमें चावल डालें और स्वादानुसार नमक। पांच मिनट और पकाएं। अब इस पूरे मिश्रण को प्रेशर कुकर में डालकर लगभग 1.5 कप पानी डालें और 2 सिटी आने तक पकाएं।

हंसना मना है

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? भोलू- मैम, मुझे बर्ड फ्लू हो गया था। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। भोलू- आपने इंसान समझा ही कहां। रोज तो मुर्गा बनाती हो..

एक लड़की एक लड़के के साथ बैठी थी, दूसरे दिन दूसरे लड़के के साथ बैठी थी, तीसरे दिन तीसरे लड़के के साथ बैठी थी, इस कहानी से तुम्हें क्या शिक्षा मिलती है? यही कि, लड़के बदल जाते हैं पर लड़कियां नहीं...

कंजूस बाप- (बेटे से) मेरी ख्वाहिश है कि तू बड़ा होकर वकील बने। बेटा- (हैरान होकर) पर क्यों? बाप- ताकि मेरा काला कोट तेरे काम आ जाए...

डॉक्टर- चश्मा किसके लिए बनवाना है? बब्लू- टीचर के लिए। डॉक्टर- पर क्यों? बब्लू- क्योंकि उन्हें मैं हमेशा गधा ही नजर आता हूं...

पत्नी- सुनो जी, तुम चुकंदर खाया करो। पति- पर क्यों? पत्नी- इसे खाने से खून अच्छा लाल और गाढ़ा होता है। पति- अच्छा, अब तुम्हें खून भी High Quality का पीना है...

कहानी — युवा पत्नी और चोर

सालों पहले एक गांव में सूरज नाम का किसान अपनी पत्नी के साथ रहता था। किसान बूढ़ा था, लेकिन उसकी पत्नी जवान थी। इसी वजह से किसान की पत्नी दुखी रहती थी। वो हमेशा अपने ही जैसे जवान पुरुष से शादी करने की चाहत मन में रखती थी। महिला के मन की बात को एक चोर समझ गया। वो रोज महिला का पीछा करने लगा। एक दिन उसने किसान की पत्नी को ठगने के विचार से उसे एक झूठी कहानी सुनाई। चोर ने कहा, सालों पहले मेरी पत्नी मुझे छोड़कर चली गई थी। अब मैं अकेला हूं। मैं तुम्हारी सुंदरता पर मोहित हो गया हूं और तुम्हें अपने साथ शहर ले जाना चाहता हूं। स्त्री यह सुनते ही खुश हो गई। वो फटाफट बोली, ठीक है मैं तुम्हारे साथ चलूंगी, लेकिन मेरे पति के पास बहुत धन है। पहले मैं उसे ले आती हूं। उन पैसों से हम जीवनभर आराम से रहेंगे। यह सुनकर चोर ने कहा कि ठीक है तुम जाओ और लौटकर इसी जगह आना मैं तुम्हारा इंतजार करूंगा। स्त्री घर पहुंची, तो देखा कि पति गहरी नींद में था। महिला ने सारे जेवर और नकदी को पोटली में बांधा और चोर के पास चली गई। किसान की पत्नी को आते देखकर चोर के मन में हुआ, अब मैं बहुत जल्दी धनवान बनने वाला हूं। बस अब इस महिला से पीछा छुड़ाने की तरकीब निकालनी होगी। तभी किसान की पत्नी चोर के पास पहुंची। उसके पहुंचते ही दोनों दूसरे शहर की ओर निकल गए। कुछ दूर चलने के बाद रास्ते में एक नदी मिली। नदी को देखते ही चोर को एक तरकीब सूझ गई। वह महिला से बोला, देखो, नदी गहरी है। इसे मैं तुम्हें पार करवाऊंगा, लेकिन पहले मैं यह पोटली नदी के उस पार रखूंगा फिर तुम्हें साथ ले जाऊंगा। स्त्री को चोर पर पूरा विश्वास था उसने कहा, हां, ऐसा करना ठीक रहेगा। फिर चोर ने कहा, देखो, तुमने भारी जेवर पहने हैं। ये जेवर भी तुम मुझे दे दो, ताकि तुम्हें नदी पार करने में कोई बाधा न हो। यह सुनते ही किसान की पत्नी ने अपने सारे जेवर चोर को दे दिए। पोटली में बंधा धन और महिला के जेवर लेकर चोर नदी के पार चला गया। महिला उसके लौटने का इंतजार करती रही, लेकिन वो फिर कभी लौट कर नहीं आया। अब महिला को बहुत दुख हुआ और उसकी आंखों से आंसू बहने लगे, लेकिन पछतावे के लिए तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उसका सारा पैसा और जेवर लेकर चोर जा चुका था।

7 अंतर खोजें

बनाएं गोभी के दो ये खास व्यंजन

सर्दी के मौसम में कई तरह की सीजनल सब्जियां बाजार में आ जाती हैं। उनमें से एक है गोभी। गोभी सेहत के लिए तो फायदेमंद होती ही हैं, इससे बनने वाले व्यंजन भी स्वादिष्ट होते हैं। गोभी डाइजेशन सही रखती है। मौसमी फ्लू से बचाती है। दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। ब्रेन फंक्शन को बूस्ट करती है और त्वचा व बालों पर भी असरदार है। इसलिए इस सीजन में लगभग हर घर में गोभी की कोई न कोई डिश जरूर बनती है। गोभी से आप सब्जी से लेकर कई तरह के स्नैक्स आदि बना सकते हैं। गोभी सर्दियों में ही आती है। इसलिए इस मौसम में गोभी की अलग अलग तरह की डिश बनाइए। इसे बनाना आसान हैं और बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को गोभी की ये डिशेज अच्छी लगेगी।

चिली गोभी

यह एक इंडो-चाइनीज डिश है। चिली गोभी को ड्राई और ग्रेवी दोनों तरीके से बना सकते हैं। इसे बनाना भी आसान है।

सामग्री

गोभी, कॉर्न फ्लोर, नमक, काली मिर्च पाउडर, लहसुन, टुकड़ो में कटा प्याज, हरी मिर्च, सोया सॉस, टोमैटो सॉस, सिरका, लाल मिर्च पाउडर।

विधि

एक पैन में नमक डालकर पानी को उबाल लें। फिर उबले पानी में गोभी डालकर उसे भीगने दें। कुछ देर बाद गोभी को निकाल लें। एक बाउल में कॉर्न फ्लोर, नमक, काली मिर्च और गोभी डालकर अच्छे से मिला लें। अब कड़ाही में तेल गर्म करके गोभी को डीप फ्राई कर लें। एक पैन में थोड़ा तेल गर्म करें उसमें अदरक, लहसुन डालकर भून लें। फिर प्याज, हरी मिर्च, सोया सॉस, टोमेटो सॉस, सिरका, रेड चिली सॉस,नमक और साबुत काली मिर्च मिलाकर भूनें। अब इसमें पहले से फ्राई की गई गोभी को डालकर अच्छे से मिला लें। ऊपर से एक कप पानी में थोड़ा सा कॉर्न फ्लोर मिलाकर पैन में डालकर पका लें। आपकी चिली गोभी तैयार है।

आलू गोभी

विधि

गोभी को टुकड़ों में काट कर अच्छे से धो लें। आलू को भी छीलकर टुकड़ों में काटकर धो लें। अब अदरक,टमाटर, हरी मिर्च को पीस लें। कड़ाही में तेल गर्म करके उसमें आलू को हल्के ब्राउन होने तक भून लें। फिर निकाल कर इसी तरह गोभी को भून लें। अब इस कड़ाही का अतिरिक्त तेल निकाल कर उसमें हींग, जीरा भून लें। फिर हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, हरी मिर्च और दरदरा कुटा हुआ गरम मसाला व कसूरी मेथी डालकर भून लें। इसके बाद टमाटर, अदरक, हरी मिर्च का पेस्ट डालें और लाल मिर्च पाउडर डालकर भूने। जब मसाला तेल पर तैरने लगे तो एक कप पानी, नमक और गरम मसाला मिलाकर उबाल आने दें। फिर तले हुए आलू गोभी और कटी हुआ हरा धनिया मिला कर

कुछ देर धीमी आंच पर ढककर पकाएं। आपकी आलू गोभी की सब्जी तैयार है।

सामग्री

एक गोभी का फूल, आलू, टमाटर, अदरक, हरी मिर्च, हरा धनिया, तेल, जीरा, हींग, हल्दी पाउडर, बड़ी इलायची, लौंग , दालचीनी, काली मिर्च, धनिया पाउडर, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर, कसूरी मेथी नमक।

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ — मान-सम्मान मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा।

मिथुन — व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह — शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा।

कन्या — भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे।

तुला — व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। मान-सम्मान मिलेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

वृश्चिक — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी।

धनु — आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मकर — यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

कुम्भ — आज मान-सम्मान के योग बनेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

मीन — कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी।

जल्द ही ब्वॉयफ्रेंड मैथियास बोए संग सात फेरे लेंगी तापसी पन्नू

बॉलीवुड में इन दिनों शादियों का सीजन चल रहा है। हाल ही में, अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने जैकी भगनानी के साथ शादी रचाई है। वहीं, अफवाहों का बाजार गर्म है कि जल्द ही बॉलीवुड की एक और अभिनेत्री दुल्हन बनने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो डंकी स्टार तापसी पन्नू आने वाले दिनों में मैथियास बोए की दुल्हन बन जाएंगी।

तापसी पन्नू बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जो अपनी निजी जिंदगी को सोशल मीडिया पर सबके साथ साझा नहीं करती हैं। वे पिछले कई सालों से मैथियास बोए को डेट कर रही हैं, लेकिन उन्होंने कभी भी इस बात को खुलकर सबके सामने कबूल नहीं किया। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस साल मार्च के आखिरी सप्ताह में तापसी मैथियास बोए के साथ सात फेरे लेने जा रही हैं।

तापसी पन्नू अपने और मैथियास के रिश्ते को लेकर काफी सतर्कता बरतती नजर आती हैं। अभिनेत्री मैथियास के साथ अपनी कम ही तस्वीरों को फैंस के साथ साझा करती हैं। वहीं, अब खबर आ रही है कि जल्द ही तापसी शादी करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वे मार्च के महीने में उदयपुर में सात फेरे लेने वाली हैं। तापसी और मैथियास की शादी से जुड़े कई अपडेट्स सामने आ रहे हैं। अगर सूत्रों की मानें तो तापसी मैथियास के साथ सिख और क्रिश्चियन दोनों, रीति-रिवाज से शादी करेंगी। 36 साल की तापसी 43 साल के मैथियास के साथ शाही अंदाज में शादी करने के लिए तैयार हैं। तापसी के होने वाले जीवनसाथी मैथियास डेनमार्क के बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। वह दो बार के यूरोपियन चैंपियन और ओलंपिक मेडलिस्ट रह चुके हैं।

समाज के काले पक्ष को दिखाएगी लवली

इलियाना डिक्रूज की फिल्म तेरा क्या होगा लवली का रिलीज हुआ ट्रेलर

इलियाना डिक्रूज की बहुप्रतीक्षित फिल्म तेरा क्या होगा लवली का ट्रेलर 27 फरवरी को जारी कर दिया गया। इस फिल्म में इलियाना के अलावा रणदीप हुडा भी अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म के ट्रेलर को देखकर दर्शकों में अभी से ही इस फिल्म के लिए काफी उत्साह देखने को मिल रहा हैं। दर्शकों के उत्साह को दोगुणा करने के लिए मेकर्स ने ट्रेलर के साथ फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा कर दिया है।

फिल्म तेरा क्या होगा लवली का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म के ट्रेलर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस फिल्म की कहानी लवली के इर्द-गिर्द बुनी गई है। लवली एक ऐसी लड़की है जिसका रंग साफ नहीं है और उसके माता-पिता को उसकी शादी करनी है, लेकिन लवली के सांवलेपन की वजह से उसे कोई दूल्हा नहीं मिल रहा है। फिल्म में लवली के किरदार को इलियाना डिक्रूज निभाती नजर आ रही हैं। रणदीप हुड्डा और इलियाना डिक्रूज की यह फिल्म समाज के काले सच को उजागर करेगी। इस फिल्म के ट्रेलर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि लवली के सांवले रंग की वजह से उसके माता-पिता को कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेलर के एक दृश्य में लवली के पिता से दहेज देने को कहा जा रहा है। वहीं, लवली को कई लड़केवाले रिजेक्ट करके जाते हुए दिखाई देते हैं। यह फिल्म समाज में फैले खूबसूरती के खोखले मानदंडों पर भी चोट करती नजर आएगी।

बॉलीवुड | मन की बात

स्क्रीन पर नेक इंसान का रोल नहीं निभा सकता हूं : इमरान

इमरान हाशमी अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। इमरान इन दिनों शोटाइम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इमरान शो टाइम में ग्रे शेड्स में नजर आएंगे। इमरान ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह स्क्रीन पर अच्छे या नेक इंसान की भूमिका नहीं निभा सकते हैं। बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी का कहना है कि वह स्क्रीन पर पूरी तरह से साफ-सुथरे, नेक इंसान की भूमिका नहीं निभा सकते हैं। एक्टर जल्द ही अपकमिंग स्ट्रीमिंग सीरीज शोटाइम में दिखाई देंगे। एक्टर ने इसके पीछे का कारण भी बताया। उन्होंने कहा कि एक एक्टर के रूप में उनकी इमेज के कारण ऐसी भूमिकाएं उनके लिए पेचीदा हैं। इमरान हमेशा से ही अपने एंटी हीरो किरदारों में माहिर रहे हैं। इमरान हाशमी शोटाइम में ग्रे शेड्स वाले एक अन्य किरदार रघु खन्ना की भूमिका में सहजता से ढल गए हैं। वेब सीरीज में महिमा मकवाना, मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, श्रिया सरन, विशाल वशिष्ठ, नीरज माधव, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह भी हैं। इसी बारे में बात करते हुए इमरान हाशमी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं कम से कम अपनी स्क्रीन इमेज के हिसाब से पूरी तरह से साफ-सुथरे, नेक इंसान का किरदार निभा सकता हूं। इसका कुछ हिस्सा मेरे दिखने के तरीके के कारण है। लोगों को लगता है कि हमेशा कुछ न कुछ गड़बड़ होती रहती है और मेरी पहली फिल्म से ऐसा नहीं है कि मैंने इन भूमिकाओं को चुना है। एक्टर ने आगे कहा, ये भूमिकाएं करियर की शुरुआत में थीं, आप वास्तव में चयनात्मक नहीं हो सकते। वे मुझ पर थोपे गए और मैंने इसका भरपूर लाभ उठाया। दर्शकों ने मुझे उन किरदारों में भी स्वीकार किया है। सुमित रॉय द्वारा निर्मित और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित शोटाइम 8 मार्च को डिज्नी प्लस हॉटस्टार स्ट्रीमिंग होगी।

धुरुआ जनजाति की अजीब प्रथा! भाई-बहन की शादी है अनिवार्य

भारत में भाई-बहन के रिश्ते को बहुत सम्मान के नजरिए से देखा जाता है, हमारे संस्कृति में बड़ी बहन को मां के रूप में देखा जाता है, तो वहीं छोटी बहन को बेटी के रूप में मान्यता दी गई है। छत्तीसगढ़ के आदिवासी जनजाति में धुरुआ नाम की एक जनजाति रहती है। इस जनजाति में भाई बहन एक दूसरे से शादी करते हैं। ऐसा करने के पीछे इन्होंने तर्क दिया कि वह अपनी जनजाति की संख्या में वृद्धि करने के लिए ऐसा करते हैं। ऐसा करने से उनकी संख्या में बढ़ोतरी होगी। इस समुदाय में अगर कोई ऐसा करने से मना करता है,तो उसे कड़ी सजा दी जाती है। हालांकि ऐसी संस्कृति से समाज पर दुष्प्रभाव पड़ता है, लेकिन समाज के लोग अपने स्वार्थ को साधने के लिए ऐसा कुकृत्य कर रहे हैं। भारतीय परंपरा में विवाह व्यवस्था का काफी महत्व होता है। भारत के लगभग सभी जगहों पर इस बात का ध्यान रखा जाता है कि विवाह के दौरान गोत्र ना मिले, गोत्र मिलने से भी लड़के लड़की की शादी नहीं होती, ऐसी मान्यता है कि गोत्र मिलने से लड़के लड़की भाई-बहन हो जाते हैं। ऐसे में विवाह नहीं होता है।

सनातन धर्म को मानने वाले लोग भाई-बहन के रिश्ते को पवित्र रिश्ते के रूप में देखते है, लेकिन क्या आपको मालूम है कि भारत में ही हमारे ही संस्कृति में हमारे साथ समाज को साझा करने वाली एक ऐसी जनजाति है जहां भाई और बहन के बीच शादी रचाई जाती है।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है शापित आइलैंड

इस आईलैंड को खरीदने वाला हो जाता है बर्बाद!

भूत-प्रेत, जादू-टोना जैसी बातों पर लोग भरोसा नहीं करते हैं। लेकिन आज भी ऐसी कई जगहें हैं, जिनके रहस्य अनसुलझे हैं। ऐसी जगहों के बारे में जानकर इन बातों पर एक पल के लिए यकीन होने लगता है। आज हम आपको एक ऐसी ही जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जो इटली के नेपल्स के पास है। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि लोग इस आइलैंड को लोग शापित समझते हैं। इस वजह से समुद्री तट से बिल्कुल पास होने के बावजूद यहां जाने से परहेज करते हैं। इसका नाम गियोला आइलैंड है। यहां एक पुल से जुड़ी दो छोटी चट्टानें हैं, साथ ही एक ढहता हुआ विला और कुछ छोटी सड़कें हैं।

इसे शापित माने जाने के पीछे कई वजहें हैं। ऐसा दावा किया जाता है कि यहां पर जो भी रहा, वो या तो मारा गया या पानी में डूबकर मर गया। वहीं, कई लोग गायब भी हो गए। बताया जाता है कि 19वीं शताब्दी में इल मागो 'द विजार्ड' नाम का साधु रहता था, जो एक दिन वह रहस्यमय तरीके से गायब हो गया। इसके बाद इसे मछली पालन करने वाले एक धनी व्यापारी लुइगी डी नेग्री ने खरीद लिया, जिन्होंने विला का निर्माण किया जो आज भी बना हुआ है। हालांकि, इसके तुरंत बाद उन्हें वित्तीय बर्बादी का सामना करना पड़ा। एक जहाज में कप्तान रहे गैस्पारे अल्बेंगा ने सन् 1911 में गियोला द्वीप को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई, लेकिन इसके ठीक बाद चट्टानी इलाके में नेविगेट करते समय उनका जहाज दुर्घटनाग्रस्त हो गया और डूबकर उनकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस हादसे के बाद न तो शव और न ही जहाज का मलबा कभी खोजा गया। वहीं, स्विस व्यवसायी हंस ब्रौन ने 1920 के दशक में इस द्वीप पर कब्जा कर लिया था, लेकिन इसके तुरंत बाद उनकी हत्या कर दी गई थी। बाद में उनकी पत्नी समुद्र में डूब गई।

हादसों का ये सिलसिला यहीं पर नहीं रुका। इस आइलैंड को बाद में जर्मन परफ्यूम डीलर ओटो ग्रनबैक ने खरीद लिया। बाद में उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई। इस आइलैंड के एक और मालिक स्विस फार्मास्युटिकल उद्योगपति मौरिस यवेस सैंडोज़ थे, जो इसे खरीदने के बाद पागल हो गए और अपनी जान ले ली। हालांकि, इस आइलैंड को तब और ज्यादा शापित माना जाने लगा, जब इसे फिएट कंपनी के मालिक जियानी एग्नेली ने खरीदा, जो आधुनिक इतालवी इतिहास के सबसे अमीर व्यक्ति थे। लेकिन इसे खरीदने के बाद ही उनके बेटे ने आत्महत्या कर ली। अमेरिकी मूल के ब्रिटिश पेट्रोलियम उद्योगपति जीन पॉल गेटी भी एक समय गियोला द्वीप के मालिक थे। लेकिन इसे खरीदने से पहले ही उनके बेटे ने आत्महत्या कर ली और 1973 में उनके पोते का अपहरण कर लिया गया। वहीं, बीमा कंपनी के मालिक जियानपासक्वेल ग्रैपोन इस आइलैंड के आखिरी ऑनर थे, जिन्हें अवैतनिक ऋण के कारण जेल में बंद कर दिया गया। इसके बाद से अब यह कैम्पानिया क्षेत्र की सरकार की संपत्ति है, जिसने इसे गियोला अंडरवाटर पार्क का हिस्सा घोषित कर दिया और इस क्षेत्र को समुद्री संरक्षित क्षेत्र के रूप में नामित किया।

पाकिस्तान बीजेपी के लिए दुश्मन देश है, हमारे लिए नहीं : बीके हरिप्रसाद

» भाजपा के निशाने पर आए कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक कांग्रेस के पार्षद बीके हरिप्रसाद ने यह कहकर विवाद पैदा कर दिया कि भाजपा के लिए पाकिस्तान दुश्मन देश हो सकता है, लेकिन कांग्रेस उसे केवल पड़ोसी देश मानती है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, राज्य भाजपा ने कांग्रेस पर राष्ट्र-विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। हरिप्रसाद ने यह टिप्पणी भाजपा के उन आरोपों के जवाब में की कि मंगलवार को राज्य में कांग्रेस की राज्यसभा जीत के बाद पाकिस्तान समर्थक नारे लगाए गए थे।

हरिप्रसाद ने विधान परिषद में कहा कि वे दुश्मन देश के साथ हमारे रिश्ते के बारे में बात करते हैं। उनके मुताबिक पाकिस्तान एक दुश्मन देश है। हमारे लिए पाकिस्तान कोई दुश्मन देश नहीं है; यह हमारा पड़ोसी देश है। उनका कहना है कि पाकिस्तान हमारा दुश्मन देश है। हाल ही में, उन्होंने लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया, जो लाहौर में जिन्ना की मजार पर गए और कहा कि उनके जैसा कोई दूसरा धर्मनिरपेक्ष नेता नहीं है। क्या तब पाकिस्तान दुश्मन देश नहीं था?

राष्ट्र-विरोधी भावनाएं रखती है कांग्रेस : बीजेपी

हरिप्रसाद के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कर्नाटक भाजपा ने भारत के खिलाफ चार बार युद्ध छेड़ने के बाद भी पाकिस्तान को शत्रु राष्ट्र नहीं कहने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि पार्टी राष्ट्र-विरोधी भावनाएं रखती है। कर्नाटक बीजेपी ने एक्स पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान के प्रति कांग्रेस का रुख और रुख क्या है बीके हरिप्रसाद ने सदन में साफ कर दिया। पाकिस्तान को भाजपा के लिए दुश्मन और पाकिस्तान को कांग्रेस कर्नाटक के लिए पड़ोसी बताकर यह स्पष्ट कर दिया है कि जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना के बीच घनिष्ठ संबंध वर्तमान पीढ़ी तक भी जारी है। भाजपा ने आगे लिखा कि विधानसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वालों के साथ खड़े होने के अलावा कांग्रेसियों की इस मानसिकता का अपमान किया जाए कि भारत के खिलाफ चार बार युद्ध की घोषणा कर चुका पाकिस्तान दुश्मन देश नहीं है, तो शब्द कम पड़ जाएंगे। हरि प्रसाद जैसी राविरोधी अभावनाएँ कांग्रेस के सभी स्तरों पर व्याप्त हैं।

वायनाड सीट पर राहुल गांधी और कांग्रेस को सोचने की जरूरत है : बृंदा करात

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने घोषणा की कि वरिष्ठ नेता एनी राजा केरल में वायनाड लोकसभा क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार होंगी। यह सीट अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पास है। एनी राजा सीपीआई महासचिव डी राजा की पत्नी हैं। वह सीपीआई की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य हैं। इसी को लेकर सीपीआई (एम) नेता बृंदा करात का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा कि सीपीआई ने वायनाड सीट से महिला आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाली कॉमरेड एनी राजा को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। अब वह पूरे एलडीएफ की ओर से उम्मीदवार होंगी। राहुल गांधी और कांग्रेस को सोचने की जरूरत है, वो कहते हैं कि उनकी लड़ाई बीजेपी से है। करात ने कहा कि केरल में अगर आप आते हैं और वामपंथ के खिलाफ लड़ते हैं तो आप क्या संदेश दे रहे हैं? इसलिए उन्हें अपनी सीट के बारे में एक बार फिर से सोचने की जरूरत है।

रेल हादसे पर बरसे कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, कहा-

तय होनी चाहिए रेलवे की जवाबदेही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने झारखंड के जामताड़ा में हुए रेल हादसे में कुछ लोगों की मौत होने पर दुख जताया और कहा कि रेल मंत्रालय को इस घटना की जिम्मेदारी लेते हुए निष्पक्ष जांच करानी चाहिए ताकि जवाबदेही तय हो सके। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, झारखंड के जामताड़ा में हुई रेल दुर्घटना बेहद हृदयविदारक है। कई लोगों की जान जाने का समाचार अत्यंत दु:खद है।

मृतकों के परिवारजनों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं और हम घायलों के अति-शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे व शासन-प्रशासन को त्वरित राहत-बचाव का काम करना चाहिए और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हर संभव मदद करनी चाहिए। खरगे ने कहा, रेल मंत्रालय को इस दर्दनाक हादसे की ज़िम्मेदारी लेते हुए, इसकी निष्पक्ष जाँच करानी चाहिए, ताकि जिससे सुरक्षा में चूक हुई है, उसकी जवाबदेही तय हो।

महागठबंधन से लड़ते नीतीश कुमार तो पांच सीट भी नहीं मिलती : प्रशांत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजनीतिक विशलेषक प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर दावा किया है कि अगर वह महागठबंधन में चुनाव लड़ते तो उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़नी पड़ती। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में चुनाव लड़ने से जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को पांच सीट भी नहीं मिलती और कुर्सी भी छोड़नी पड़ती एंव पार्टी भी टूटती इसलिए नीतीश कुमार ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से गठबंधन कर लिया।

प्रशांत किशोर ने कहा, मैं 7-8 महीने से कह रहा हूं कि अगर नीतीश कुमार महागठबंधन में चुनाव लड़ेंगे तो उनको 5 सीट भी नहीं आएगी। कहीं न कहीं नीतीश कुमार और उनके नेता भी यह बात समझ रहे थे इसलिए छोड़कर भागे। प्रशांत किशोर ने आगे कहा, एक ही परिस्थिति में नीतीश कुमार महागठबंधन में रहते, वह रिस्क तब लेते अगर वह प्रधानमंत्री का चेहरा बन रहे होते और बिहार में माहौल बनाया जा सकता था कि बिहार का चेहरा प्रधानमंत्री का दावेदार है, इस पर उन्हें सीट मिल सकती थी, ऐसा हुआ नहीं, ये कॉमन पॉलिटिकल सेंस है कि अगर हम चुनाव लड़ेंगे महागठबंधन में और हमारी 5 सीट भी नहीं आईं तो पार्टी टूट जाएगी और सीएम पद से भी इस्तीफा देना पड़ेगा। इससे अच्छा है कि अभी खून का घूंट पी लो और बीजेपी में चले जाओ। प्रशांत किशोर ने आगे कहा, जैसे ही लोकसभा जीतकर नीतीश कुमार आएंगे तो अब दूसरी परेशानी शुरू होगी। वो ये होगी कि बीजेपी की इतनी ताकत होगी कि वह क्यों इनको कंधे पर बिठाकर घूमेंगे। किसी न किसी तरीके से इन्हें यहां से और कट-टू-साइज किया जाएगा।

किसानों की मांग पर झुकी सरकार

» प्रदर्शनकारी किसान की मौत मामले में दर्ज की प्राथमिकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा सीमा पर स्थित खनौरी में प्रदर्शनकारी किसानों और हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प के बाद किसान शुभकरण सिंह की मौत मामले में पंजाब पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। खनौरी में 21 फरवरी को किसानों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प में बठिंडा के मूल निवासी शुभकरण (21) की मौत हो गई थी और 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। यह घटना उस वक्त हुई जब कुछ प्रदर्शनकारी किसान पुलिस की ओर से लगाए गए अवरोधकों की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे।

पंजाब पुलिस ने पटियाला के पातड़ां पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 114 के तहत मामला दर्ज किया है। शुभकरण के पिता की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और घटना का स्थान हरियाणा के जींद जिले के गढ़ी में बताया गया है। खनौरी जींद जिले के पास स्थित है। 'दिल्ली चलो' मार्च की अगुवाई कर रहे किसान नेता इस बात पर अड़े थे कि पोस्टमार्टम होने से पहले प्राथमिकी दर्ज की जाए। शुभकरण का शव पटियाला के राजिंदर अस्पताल के शवगृह में रखा गया है। अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार को होने की संभावना है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुभकरण के परिजन को एक करोड़ रुपये का मुआवजा और बहन को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और कृषि ऋण माफी सहित अपनी मांगों के पक्ष में सरकार पर दबाव बनाने के वास्ते 'दिल्ली चलो' मार्च का नेतृत्व कर रहे हैं। आंदोलन में भाग लेने वाले ज्यादातर किसान शंभू और खनौरी में डेरा डाले हुए हैं।

आज होगा अंतिम संस्कार बहन को मिलेगी नौकरी

किसानों व परिजनों के राजी होने के बाद रात 11 बजे शुभकरण के शव का पोस्टमार्टम किया गया। अब किसान नेता खनौरी बॉर्डर पर शुभकरण का पार्थिव शरीर लेकर पहुंच गए हैं। दोपहर 3 बजे अंतिम संस्कार किया जाएगा। वहीं आज ही तय होगा कि दिल्ली कूच किया जाएगा या शंभू पर ही पक्का डेरा लगाया जाएगा। पंजाब सरकार शुभकरण की बहन को एक करोड़ की वित्तीय मदद और पंजाब पुलिस में कांस्टेबल की नौकरी देगी। शुभकरण का अंतिम संस्कार आज उनके पैतृक गांव में किया जाएगा।

केंद्र सरकार किसानों से बातचीत को तैयार : मुंडा

केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सरकार विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ वार्ता के लिए तैयार है। वह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) सोसाइटी की सालाना आम बैठक से इतर बोल रहे थे। बता दें कि केंद्र सरकार व किसानों के बीच अब तक चार दौर की बातचीत हो चुकी है, पर कोई समाधान नहीं निकला। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी समेत विभिन्न मांगों को लेकर किसान दिल्ली मार्च पर अड़े हैं।

जुरेल-गिल और यशस्वी की रैंकिंग में लंबी छलांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी ने टेस्ट प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इसमें भारत के युवा विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने बल्लेबाजों की सूची में लंबी छलांग लगाई है। जुरेल भारत और इंग्लैंड के बीच रांची में खेले गए टेस्ट मैच के बाद 31 पायदान ऊपर 69वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 461 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने रांची में खेले गए चौथे टेस्ट में कमाल की बल्लेबाजी की थी।

जुरेल ने पहली पारी में मुश्किल हालात में 90 और दूसरी पारी में नाबाद 39 रन बनाए। उन्होंने शुभमन गिल के साथ 72 रन की अटूट साझेदारी कर भारत को पांच विकेट से जीत दिलाई थी। जुरेल प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल और गिल को भी फायदा हुआ है। यशस्वी तीन स्थान ऊपर यानी 12वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर बेस्ट टेस्ट रैंकिंग हैं। उनके फिलहाल 721 रेटिंग अंक हैं। यशस्वी ने आखिरी मैच में 73 और 37 रन का योगदान दिया। वन डाउन उतरे गिल ने रांची में 38 रन के अलावा नाबाद 52 रन की बेहद अहम पारी खेली थी। जिसके बाद वो चार पायदान चढ़कर 31वें पर चले गए हैं। उनके 616 अंक हैं। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा (720 अंक) को एक स्थान और विराट कोहली (744 अंक) को दो स्थान का नुकसान झेलना पड़ा है। इसके साथ ही रोहित शर्मा 13वें और विराट कोहली 9वें नंबर पर खिसक गए हैं। कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज नहीं खेल रहे हैं। फिलहाल भारत ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है।

रोहित-कोहली दो पायदान फिसले

सिविल और आपराधिक मामलों में सुप्रीम आदेश

» 2018 के अपने ही फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने पलटा

» अंतरिम रोक का आदेश अब छह महीने में खुद ब खुद ही खत्म नहीं होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सिविल और आपराधिक मामलों को लेकर 2018 में दिए गए अपने फैसले को पलट दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने नए फैसले में कहा है कि सिविल और आपराधिक मामलों में हाईकोर्ट की तरफ से लगाई गई अंतरिम रोक का आदेश अब छह महीने में खुद ब खुद ही खत्म हो नहीं होगा। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में अपने एक आदेश में कहा था कि अगर हाईकोर्ट में आगे सुनवाई नहीं होती तो किसी मामले में लगा अंतरिम स्टे 6 महीने बाद ऑटोमैटिक तौर पर खत्म हो जाएगा। जब तक कि उसे हाईकोर्ट द्वारा बढ़ाया ना जाए।

कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि संवैधानिक अदालतों को मामलों पर समयबद्ध तरीके से फैसला लेने के आदेश नहीं देने चाहिए, क्योंकि जमीनी स्तर के मुद्दों की जानकारी संबंधित अदालतों को होती है। ऐसे आदेश केवल असाधारण परिस्थितियों में ही दिए जाने चाहिए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में फैसला सुनाया था कि अगर अदालत द्वारा विशेष रूप से बढ़ाया ना जाए तो हाईकोर्ट और अन्य अदालतों द्वारा दिए गए स्टे के अंतरिम आदेश छह महीने की अवधि के बाद स्वचालित रूप से समाप्त हो जाएंगे।

पांच जजों के संविधान पीठ का फैसला

क्या सिविल और आपराधिक मामलों में हाईकोर्ट द्वारा दिए गए अंतरिम रोक का आदेश केवल छह महीने के लिए लागू होने चाहिए (जब तक कि विशेष रूप से आगे बढ़ाया न जाए) या नहीं. इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने अपना फैसला सुनाया है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ में जस्टिस अभय एस ओक, जे बी पारदीवाला, जस्टिस पंकज मित्थल, जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 13 दिसंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने 13 दिसंबर 2023 को 2018 के फैसले के खिलाफ संदर्भ में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

न्यायाधीश के लिए कानूनी शक्ति पर्याप्त नहीं : चंद्रचूड़

» बोले- समस्याएं समझने की इच्छा ही उपकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि किसी न्यायाधीश के लिए कानूनी शक्ति पर्याप्त नहीं है तथा उनके लिए मानव जीवन और लोगों की समस्याओं को समझने की इच्छा ही सबसे मजबूत उपकरण है।

नवनियुक्त न्यायाधीशों-न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले के सम्मान में उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि इन न्यायाधीशों की पदोन्नति के साथ शीर्ष अदालत एक बार फिर न्यायाधीशों की अधिकतम अनिवार्य संख्या 34 के साथ काम कर रही है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत को उनके अनुभव की विविधता से लाभ होगा। न्यायमूर्ति शर्मा, न्यायमूर्ति मसीह, न्यायमूर्ति मेहता और न्यायमूर्ति वराले की यात्रा मानव जीवन को समझने और हमारे कानूनों की मदद से इसे बेहतर बनाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।' एससीबीए के अध्यक्ष आदिश सी अग्रवाल ने प्रतिभाशाली न्यायाधीशों को चुनने के लिए उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम की सराहना की।

फोटो: सुमित कुमार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज 38 अग्निशमन केंद्रों का शिलान्यास/लोकार्पण किया। सीएम ने लगभग तीन दर्जन अग्नि शमन वाहनों को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, जलशक्ति स्वतंत्र देव सिंह, मुख्यसचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, डीजीपी प्रशांत कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पिकअप पलटने से 14 की मौत, 21 घायल

मध्य प्रदेश में डिंडोरी में बड़ा सड़क हादसा, अनियंत्रित होकर पलटी गाड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के डिंडोरी में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। डिंडोरी के बड़झर घाट पर एक पिकअप गाड़ी के अनियंत्रित होकर पलट जाने से 14 लोगों की मौत हो गई और 21 घायल हो गए। घायलों का इलाज शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। बताया जा रहा है कि ब्रेक फेल होने की वजह से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डिंडोरी जिले में हुई वाहन दुर्घटना में कई अनमोल जिंदगियों के असामयिक निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है।

जानकारी के मुताबिक डिंडोरी के बज्झर गांव के पास ये दर्दनाक हादसा हुआ है। अनियंत्रित होकर पिकअप गाड़ी पलट गई। कलेक्टर विकास मिश्रा ने 14 लोगों के मौत की पुष्टि की है। हादसे में 21 लोग घायल हैं। एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की वजह ब्रेक फेल होना बताई जा रही है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जताया शोक

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके परिजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना में हताहत लोगों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जिला प्रशासन को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके डिंडोरी पहुंच रही हैं।

एमपी कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने भी हादसे पर दुख जताया

उधर, डिंडोरी हादसे पर एमपी कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दुख जताया है। उन्होंने कहा है कि डिंडोरी में पिकअप वाहन पलटने से 14 लोगों की मृत्यु की दुखद सूचना मिली। हादसे में 21 घायल भी हुए हैं। मैं दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रभु से प्रार्थना करता हूं। स्थानीय प्रशासन से भी आग्रह है कि राहत और उपचार के लिए हर संभव प्रयास करे।

स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। चौक कार्यक्रम में शामिल होकर लौटते वक्त ये हादसा हुआ। मृतक देवरी गांव के बताए जा रहे हैं।

नगर-निगम सदन में उड़ी अनुशासन की धज्जियां

» भाजपा पार्षद व नगरआयुक्त में तीखी बहस, महापौर के हस्तक्षेप से मामला टला

» भ्रष्टाचार के आरोप पर वार-पलटवार

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम का सदन हंगामे के साथ समाप्त हो गया। इसबार सदन में सफाई को लेकर सभासदों व अधिकारियों में काफी तीखी बहस भी हुई। मामला इतना बढ़ गया कि कुछ सभासदों ने नगरआयुक्त पर कमीशन लेने तक का आरोप लगा दिया। इस आरोप के बाद नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह भड़क गए।

वे इतना नाराज हो गए कि उन्होंने सभासद को धमकी तक दे डाली कि वह व्यक्तिगत हमले न करें। इस तरह नगर निगम में बुधवार को विशेष सदन की बैठक आरोप, अपशब्दों और धमकियों की भेंट चढ़ गई। उधर, महापौर ने मामले में हस्तक्षेप कर हंगामा कर रहे पार्षद राम नरेश रावत को सदन से बाहर किया तब जाकर सदन की कार्यवाही आगे बढ़ी। इस मौके पर उन्होंने पार्षदों से कहा कि हम सबके के लिए नगर निगम मां की तरह है कोई भी अपनी मां की सौदेबाजी नहीं करता।

गलत आरोप बर्दाश्त नहीं करूंगा : नगर आयुक्त

दोबारा सदन की कार्यवाही शुरू होने पर नगर आयुक्त ने कहा कि गलत आरोप कभी बर्दाश नहीं करूंगा। बगैर साक्ष्य के किसी ने गलत आरोप लगाए तो किसी हालत में नहीं छोड़ूंगा। उन्होंने कहा कि हम सभी शहर के लिए काम कर रहे हैं। अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात व्यवस्था सुधारने में लगे हैं। ऐसे में इस तरह के आरोप काफी दुखी करते हैं।

बीजेपी पार्षद ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

बैठक में सरोजनीनगर द्वितीय वॉर्ड से बीजेपी पार्षद रामनरेश रावत ने नगर आयुक्त पर सीधे भ्रष्टाचार का आरोप लगा दिया। इस पर नगर आयुक्त आपा खो बैठे। काफी देर बहस के बाद वह सदन छोड़कर चले गए। इसके बाद मेयर और पार्षद में बहस होने लगी। मामला इतना बढ़ा कि पार्षद और कार्यकारिणी उपाध्यक्ष गिरीश गुप्ता में बहस शुरू हो गई और दोनों ने एक-दूसरे को देख लेने की धमकी दे डाली। इस पर बाकी पार्षदों ने राम नरेश रावत को घसीटकर बाहर किया। फिर पुलिस बुलाई गई। भाजपा पदाधिकारी भी पहुंचे। पदाधिकारियों ने पार्षद को कारण बताओ नोटिस जारी करने का आश्वासन दिया, तब मेयर और नगर आयुक्त दोबारा सदन में गए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।